

झोटी लाल मर्गी



कैरन हेडाक

एकलव्य

अहा !
गेहूँ के दाने !
हम इसे खा ले...
या बी दे !





कौन करेगा मदद
इसको बीजे में ?

में नहीं



मैं नहीं



Universitatis Princetoniensis

Omibus huc lecturis

Præsentem
recepimus

Philosophiae Doctoris

Præsentem
recepimus

Præsentem
recepimus



Præsentem
recepimus

1874

Jan

में नहीं



में नहीं



अच्छा मैं खुद ही बोऊंगी !





मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

कौन देगा मदद
फसल काटने में ?



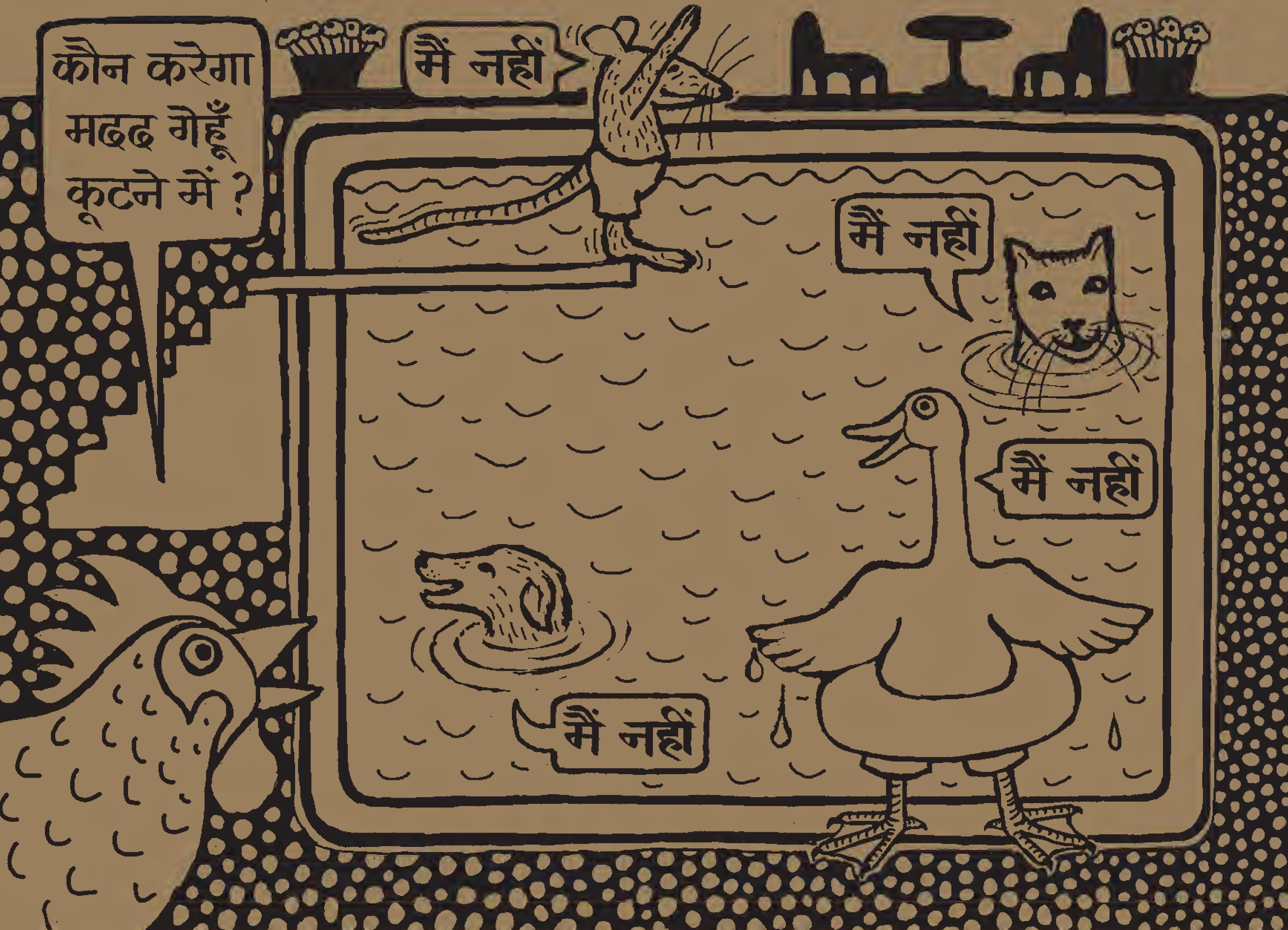
कौन करेगा
मदद मेहूँ
कूटने में ?

मैं नहीं

मैं नहीं

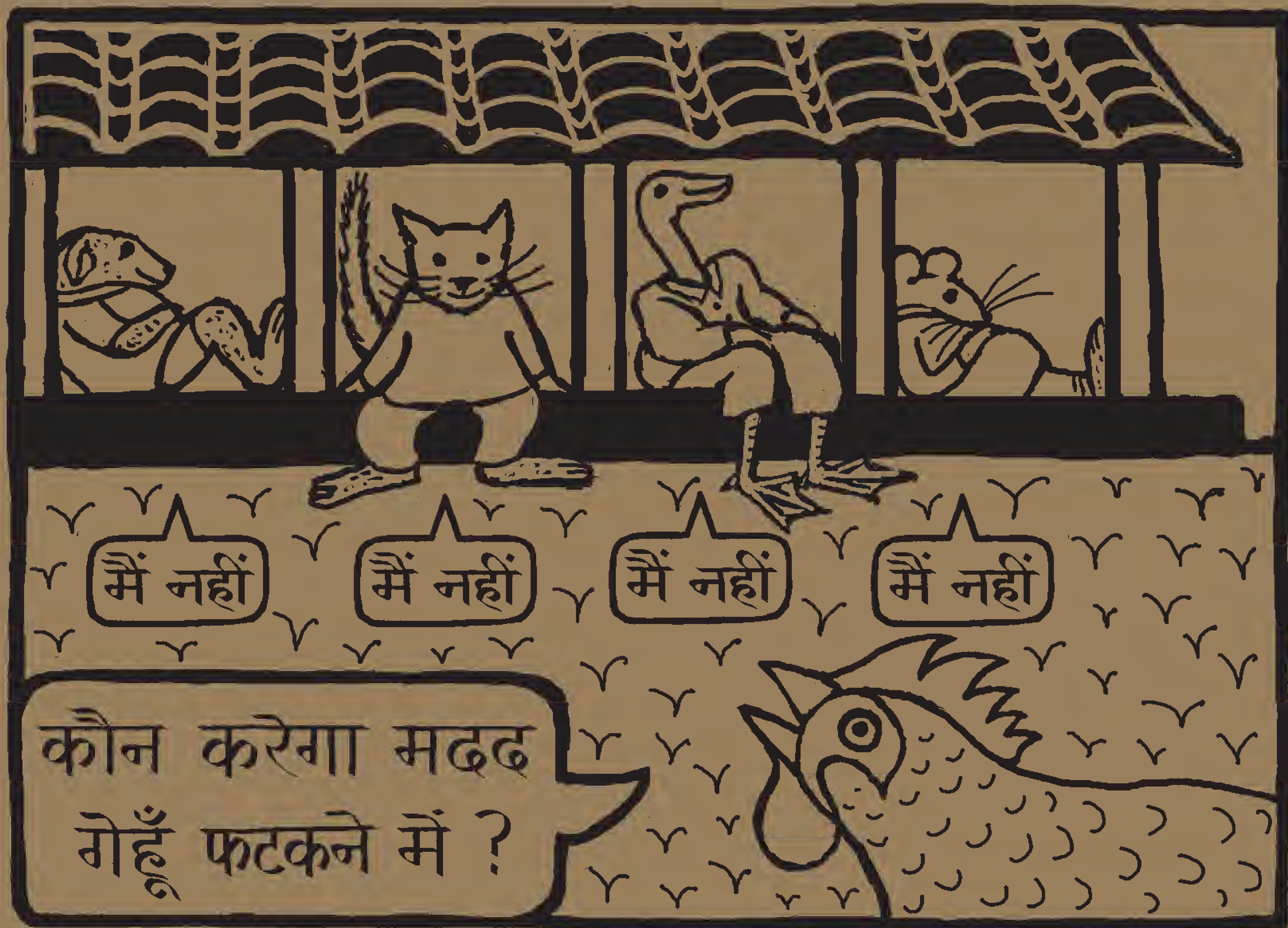
मैं नहीं

मैं नहीं





अच्छा मैं खुद ही
कूट लूँगी !



मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

कौन करेगा मदद
गोहूँ फटकने में ?



कौन देगा
मदद मेहँ
छानने में ?

कौन करेगा मदद
मेहँ पीसने में ?

में नहीं

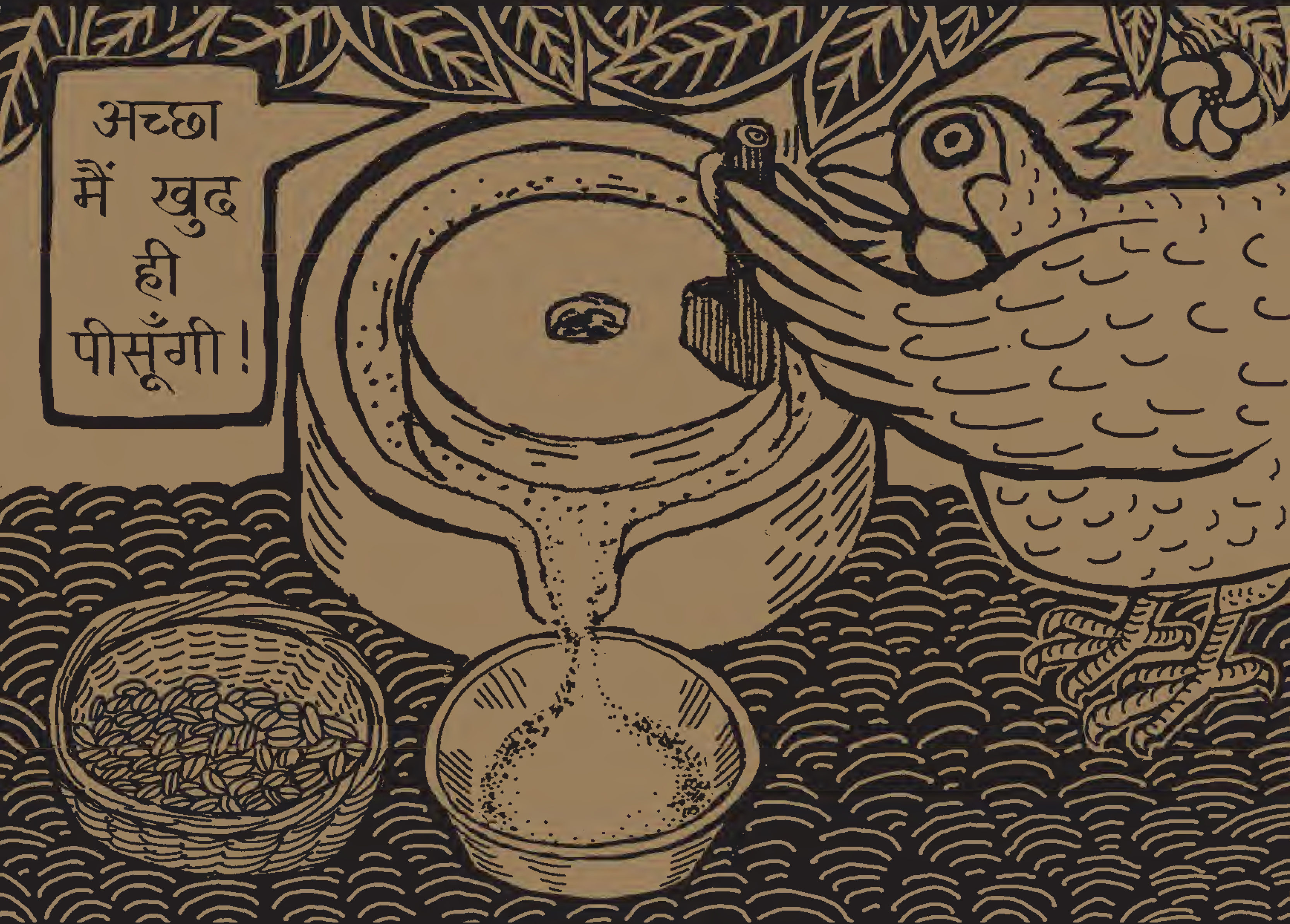
मैं नहीं

मैं
नहीं

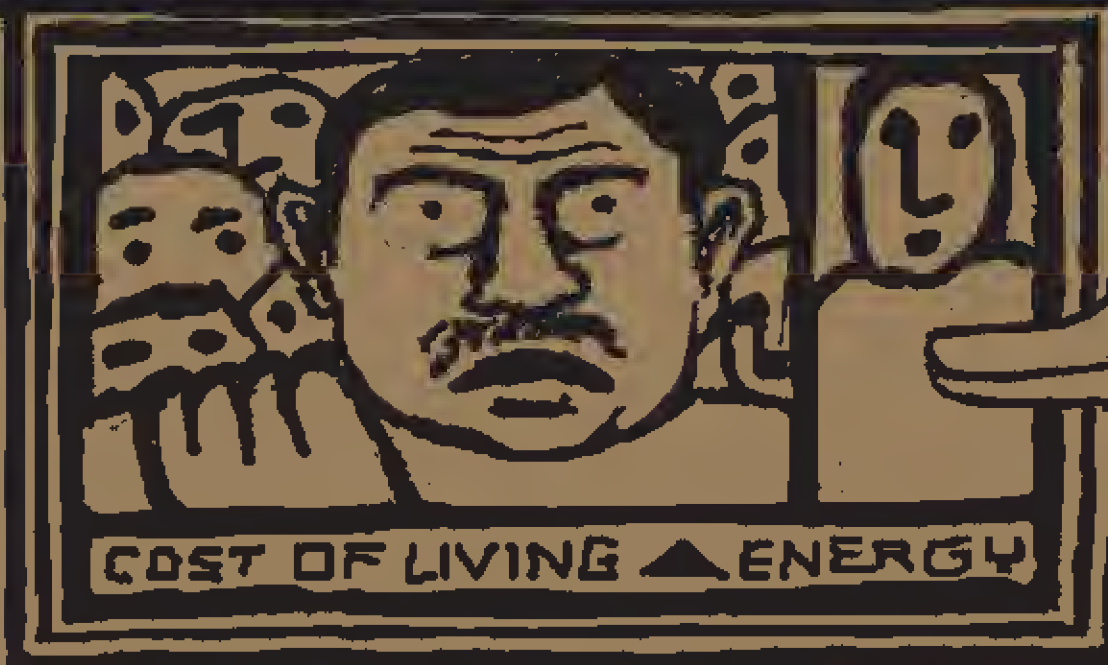
मैं नहीं



अच्छा
मैं खुद
ही
पीसूंगी !



कौन करेगा
मदद रोटी
पकाने में ?



मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

अच्छा मैं खुद ही पकाऊँगी !



कौन करेगा मदद रोटी खाने में ?

मैं खाऊंगा !

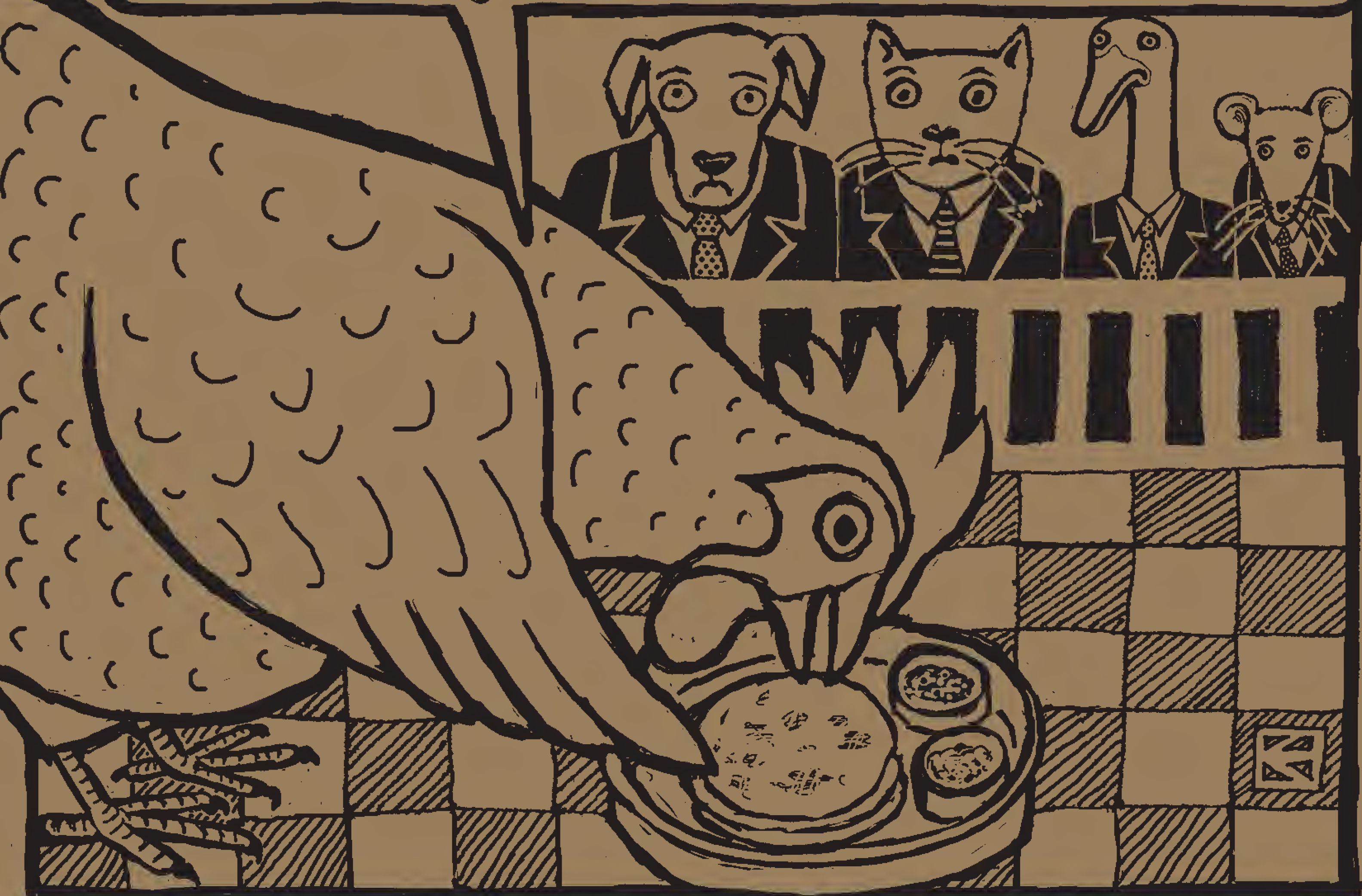
मैं खाऊंगा !

मैं
खाऊंगा !

मैं खाऊंगा !



जी नहीं! मैं खुद खाऊँगी! जो काम करे सो खाए...



छोटी लाल मुर्गी / Chhoti Lal Murgi

कहानी व चित्र: कैरन हेडॉक

डिज़ाइन: कनक शशि



कैरन हेडॉक, नवम्बर 2015

इस कहानी का उपरोक्त के समान क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत गैर-व्यावसायिक शैक्षिक उद्देश्यों हेतु मुफ्त वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करते हुए मूल स्रोत के रूप में लेखक और प्रकाशक का जिक्र करना और उन्हें सूचित करना आवश्यक होगा। अन्य किसी भी प्रकार के उपयोग के लिए एकलव्य से सम्पर्क करें।

नवम्बर 2015/ 3000 प्रतियाँ

कागज़: 140 gsm ब्राउन क्राफ्ट पेपर

पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित

ISBN: 978-93-81337-77-6

मूल्य: ₹ 18.00

प्रकाशक: एकलव्य

ई-10, शंकर नगर बीडीए कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (मप्र)

फोन: +91 755 255 0976, 267 1017

www.eklavya.in / books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिव्युप्रिंट, प्रा. लि., भोपाल (मप्र) +91 755 268 7589